पूर्व राज्यपाल श्री निरंजन वांचू का भाषण

23 फरवरी 1978

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के रूप में मुझे पहली बार आपको संबोधित करने का सौभाग्य मिला है। मैं इस अवसर पर आप सबका हार्दिक अभिनंदन करता हूं। पिछले साल देश में ऐतिहासिक परिवर्तन आया। मुझे यह कहते हुए संतोष होता है कि इस परिवर्तन में निहित जन-आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में मेरे शासन ने निÜचत कदम उठाये हैं और सफलताएं प्राप्त की हैं।आम-आदमी की कठिनाइयां तेजी से और प्रभावशाली ढंग से निपटाने की दिशा में शासन काफी आगे बढ़ा है। प्रशासन में कसावट और चुस्ती लाने के लिये हाल ही में जो कदम उठाये गयें हैं वे इस दिशा में निश्चित रूप से सार्थक सिद्घ होंगे। मितव्ययिता के उपायों पर भी जोर दिया जा रहा है। मेरा शासन चाहता कि निर्णय लेने के अधिकारों का विकेंद्रीकरण हो ताकि विभिन्न स्वयं पर जो मसलें निपटाये जा सकते हैं उनका निपटारा समय पर हो सके। इसी भावना के अनुरूप शासकीय सेवकों के स्थानंतर की नीति को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। पिछले माह के अंतिम सप्ताह में पूरे राज्य में एक साथ कई कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इन निरीक्षणों से प्राप्त अमूल्य के आधार पर प्रशासनित सुधार के ठोस

कदम उठाये जा रहे है। हाल ही में संभागीय मुख्यालयों पर जन प्रतिनिधियों से चर्चा कर उनके सुझाव आमंत्रित किये गये और स्थानीय समस्याओ के निराकरण के लिए जिलाधिकारियों को समुचित निर्देश दिये गये हैं। आम जनता की शिकायतों को दूर करने के लिए अब अनुविभागीय स्तर पर भी शिकायत निवारण समितियां गठित हो गयी हैं।